दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

22 सितंबर से बाजार में बहार

मिलावट को जानें और पहचानें

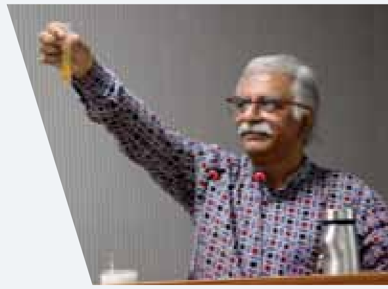

वर्ष 15 | अंक 18 | मूल्य 15 रुपये | 21-27 सितंबर, 2025

आपदाओं से कराहती देवभूमि

वर्ष 15 | अंक 18

दिव्य हिमगिरि

21-27 सितंबर, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

संवाददाता
पूनम आर्या

विज्ञापन
सुनील सेमवाल

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार: डॉ. रजनीश गौतम
पौडी: रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार: के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर: हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली: मुकेश रावत
रुड़की: श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल: शीतल तिवारी
अल्मोड़ा: संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर: अजय शर्मा
प्रसार: रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*
*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

राजनैतिक टकराव और जनता का टूटता भरोसा

चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जो संविधान के अनुसार देश में चुनाव प्रक्रिया का संचालन करता है। संवैधानिक प्राधिकार होने के नाते आयोग से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करेगा। देश में नागरिकों के मताधिकार को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी इसी की है। ऐसे में सवाल है कि अगर चुनाव आयोग कानून और मानदंडों के मुताबिक अपना काम कर रहा है तो उसकी कार्यप्रणाली को संदेह की नजर से क्यों देखा जा रहा है? आयोग पर निष्पक्षता और पारदर्शिता नहीं बरतने के आरोप बार-बार क्यों लग रहे हैं? बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठने की वजह क्या है? इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय ने भी गंभीरता से लिया है। हालांकि शीर्ष अदालत ने उम्मीद जताई है कि बिहार में चुनाव आयोग एसआइआर में कानून का पालन कर रहा होगा। साथ ही आगाह भी किया है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इस पूरी प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाएगा। इससे साफ है कि चुनाव आयोग पर विश्वास की नींव अब कमजोर होती नजर आ रही है। जनता की ओर से प्रश्न उठना भी लोकतंत्र में एक स्वाभाविक और जरूरी प्रक्रिया है। साथ ही संदेहों और सवालों के जवाब अगर समय पर सामने आ जाएं, तो इससे देश में लोकतांत्रिक जड़ें मजबूत ही होंगी। मगर कई बार राजनीतिक उठा-पटक के बीच धुंध जब ज्यादा गहरी हो जाती है, तब विश्वास का संकट खड़ा होने की आशंका उपजती है। इस लिहाज से देखें तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से पिछले कुछ समय से मतदाता सूची में हेरफेर को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, वे अब बहस का मुद्दा बन चुके हैं और आम लोगों के सामने एक तरह के ऊहापोह की स्थिति बनती जा रही है। ऐसे में जरूरी यह है कि चुनाव आयोग अपने स्तर पर सामने आकर इससे उपजे सभी तरह के संदेहों को दूर करे, ताकि मतदान की प्रक्रिया को लेकर विश्वसनीयता का संकट खत्म हो। गौरतलब है कि गुरुवार को राहुल गांधी ने एक बार फिर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर सवाल उठाया और कर्नाटक में आलंद निर्वाचन क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि वहां किसी ने गलत तरीके से 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। मगर इस क्रम में चूंकि खुद बूथ-स्तरीय अधिकारी के संबंधी का वोट भी हट गया था, इसलिए उसकी जांच के बाद सिरे खुलते गए, जो बेहद चिंताजनक थे। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में भी ऐसा ही मामला देखा गया। जाहिर है, मतदाता सूची से वैध मतदाताओं का नाम हटाने का यह आरोप बेहद गंभीर है और इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए। मगर इस मसले पर निर्वाचन आयोग की ओर से फिर से एक संक्षिप्त जवाब आया कि इस तरह मतदाताओं का नाम हटाने को लेकर लगाए गए आरोप गलत और आधारहीन हैं। कुछ समय पहले भी जब राहुल गांधी ने कर्नाटक में ही फर्जी मतदाताओं को सूची में जोड़ने का आरोप लगाया था, तब भी मुख्य चुनाव आयुक्त ने उसे खारिज कर दिया था। सवाल है कि मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम फर्जी तरीके से जोड़ने या फिर हटाने के इस समूचे मामले को अब जिस तरह देखा जा रहा है, क्या आयोग के संक्षिप्त जवाब से इससे संबंधित आशंकाओं का निराकरण हो सकता है! दरअसल, जरूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग इस मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच करा कर इससे संबंधित तथ्य जनता को उपलब्ध कराए, ताकि आम लोगों का विश्वास लोकतंत्र को मजबूती देने की प्रक्रिया में बना रहे। विडंबना यह है कि संविधान में जिस मतदान के जरिए लोकतंत्र को सुरक्षित रखने की ठोस व्यवस्था की गई है, उसे सुनिश्चित करने के लिए तैयार होने वाली मतदाता सूची में गड़बड़ी के इतने गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं और उस पर कोई स्पष्टता कायम होने के बजाय यह सवाल महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के दुश्चक्र में उलझता दिख रहा है।

कुँवर राज अस्थाना

आपदाओं से कराहती देवभूमि

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

दिन गुरुवार, तारीख 11 सितंबर 2025 शाम के करीब 5 बजे का समय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून के जॉली ग्रांट एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और अधिकारियों के साथ उत्तराखंड के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन से हुई बाढ़ की स्थिति और नुकसान समीक्षा और हाईलेवल मीटिंग की। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड के आपदा प्रभावित इलाकों के लिए 1200 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का एलान किया। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री का अभार जताया। प्रधानमंत्री जब मुख्यमंत्री के साथ यह हाईलेवल की मीटिंग कर रहे थे तब उन्होंने सोचा नहीं था कि चार दिन बाद एक और आपदा का कहर टूटने वाला है। 15-16 सितंबर की राजधानी देहरादून में आपदा का कहर बरपा। देहरादून में बादल फटने के बाद जबरदस्त तबाही हुई। कई पुल ध्वस्त हो गए और सड़कें बह गई। इसके साथ 30 से अधिक लोगों की मौत भी हो गई। मालदेवता, सहस्त्रधारा, आईटी पार्क, प्रेम नगर आदि इलाकों में ऐसी खौफनाक तस्वीर आई कि लोगों को डरा गई। मंगलवार को देहरादून पूरे दिन डरा और सहमा हुआ था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मंत्री विधायकों एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस प्रशासन को समझ में नहीं आया है कहां से राहत बचाव का शुरू करें। राजधानी में बहने वाली रिस्पना और टोंस नदियों का रौद्र रूप सहारवासियों को डरा गया। देहरादून में राहत बचाव कर पूरा भी नहीं हो पाया था कि बुधवार देर रात चमोली में भी बादल फट गया जिसके बाद भारी तबाही हुई। इस साल 2025 में आपदा ने देवभूमि को करारी चोट पहुंचाई है। इसको भरने में समय लग जाएगा।

उत्तराखंड, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, इस वर्ष 2025 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण गहरे संकट में है। गुरुवार, 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून के जक्कली ग्रांट एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ हाईलेवल की मीटिंग की और 1200 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की। लेकिन यह राहत भी अस्थायी साबित हुई, क्योंकि 15-16 सितंबर को देहरादून में बादल फटने और भूस्खलन ने फिर से कहर बरपाया। सहस्त्रधारा, मालदेवता, आईटी पार्क और प्रेम नगर जैसे इलाकों में बादल फटने से सड़कों पर जलभराव, पुलों का बहना और घरों का मलबे में तब्दील होना आम हो गया। रिस्पना और टोंस नदियों का रौद्र रूप लोगों के लिए भय का कारण बना। अब तक 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग लापता हैं। स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है। बुधवार की रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटने से भारी तबाही हुई। कुंतरी और धूर्मा गांवों में 32 घर मलबे में दब गए, 14 लोग लापता हैं और 20 लोग घायल हुए हैं। प्रशासन ने राहत शिविरों की व्यवस्था की है, लेकिन प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता की सख्त जरूरत है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा न हो और राहत सामग्री,

सुरक्षित ठहराव, भोजन, पानी एवं स्वास्थ्य सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य और केंद्रीय निधियों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाएगा ताकि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक बुनियादी ढांचे की शीघ्र बहाली की जा सके। उत्तराखंड की यह आपदा केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय भी है। अतिक्रमण, अव्यवस्थित निर्माण और जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा किया है। अब समय है कि हम इस देवभूमि की कराह को सुनें और इसे पुनर्निर्माण की दिशा में एकजुट होकर कदम बढ़ाएं।

देहरादून में बादल फटने के बाद भीषण आपदा में सीएम धामी ने राहत कार्यों की संभाली कमान

देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में बादल फटने और भूस्खलन के कारण आई भीषण आपदा के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहत कार्यों की कमान संभाली। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और प्रभावित लोगों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री धामी ने मालदेवता, सहस्त्रधारा, आईटी पार्क, प्रेम नगर, रिस्पना और टोंस नदियों के किनारे बसे क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इन क्षेत्रों में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सड़कों का बहना, पुलों का ढहना और घरों का मलबे में तब्दील होना जैसी घटनाएं हुई थीं। मुख्यमंत्री धामी ने इन क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की और प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून शहर के अन्य प्रभावित क्षेत्रों का भी दौरा किया। उन्होंने दालनवाला, संतला देवी, कर्लिगाड और कासल जैसे क्षेत्रों का निरीक्षण किया, जहां भूस्खलन और जलभराव के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हुए थे। मुख्यमंत्री धामी ने इन क्षेत्रों में भी राहत कार्यों की समीक्षा की और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। शनिवार को मुख्यमंत्री धामी चमोली जिले के नंदानगर पहुंचे, जहां फिर से भारी बारिश और बादल फटने की वजह से तबाही हुई थी। उन्होंने वहां प्रभावित लोगों से मुलाकात की और राहत तथा पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री धामी की सक्रियता और तत्परता ने आपदा के समय में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत किया और प्रभावित लोगों को राहत प्रदान की। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन में उत्कृष्टता का परिचय दिया है।

संकट की घड़ी में डीएम बंसल और एसएसपी अजय सिंह ने अद्भुत नेतृत्व और समर्पण का दिया परिचय

कुदरत के कहर ने देहरादून में भारी तबाही मचाई। संकट की घड़ी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्परता और मानवीय संवेदनाओं के साथ राहत कार्यों की अगुवाई की। उनके साथ मंत्री गणेश जोशी, तमाम विधायक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी लगातार प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की निगरानी कर रहे थे। मुख्यमंत्री धामी और उनके मंत्रियों और विधायकों की सक्रियता के बीच देहरादून के जिला अधिकारी सविन बंसल और एसएसपी अजय सिंह ने भी अद्भुत नेतृत्व और समर्पण का परिचय दिया। डीएम बंसल और एसएसपी अजय सिंह ने आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया, राहत कार्यों का निरीक्षण किया और प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने प्रशासनिक टीमों, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को निर्देशित किया और राहत कार्यों में तेजी सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री धामी, मंत्री गणेश जोशी और विधायकों के साथ मिलकर डीएम और एसएसपी की यह तत्परता और समर्पण आपदा प्रबंधन में एक आदर्श उदाहरण बन गई। प्रभावित लोगों को उनके नेतृत्व में समय पर भोजन, पानी, मेडिकल सुविधा और सुरक्षित ठहराव उपलब्ध कराया गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस की यह सक्रियता दिखाती है कि संकट के समय में जब राजनीतिक नेतृत्व और प्रशासनिक नेतृत्व एकजुट होते हैं, तो प्रभावित लोगों के लिए राहत और उम्मीद की किरण तुरंत उपलब्ध हो सकती है। इस संयुक्त प्रयास ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आपदा प्रबंधन केवल प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और संवेदनशील नेतृत्व का संगम होने पर ही असली सफलता मिलती है। मुख्यमंत्री धामी, मंत्री गणेश जोशी, विधायक गण और डीएम-एसएसपी की सक्रियता ने प्रभावित लोगों में भरोसा और राहत की भावना पैदा की, और पूरे देहरादून में आपदा से निपटने का मजबूत संदेश दिया।

देहरादून शहर और आसपास के क्षेत्रों में बादल फटने से भारी तबाही

देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में 15-16 सितंबर की रात को हुई बादल फटने की घटना ने व्यापक तबाही मचाई। इस आपदा ने न केवल देहरादून शहर बल्कि उसके उपनगरों और आसपास के गांवों को भी प्रभावित किया। नदी-नालों का उफान, भूस्खलन और जलभराव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। मालदेवता यह क्षेत्र देहरादून का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ और कई सड़कें बह गईं। इससे 12 से अधिक गांवों का संपर्क कट गया, जिनमें फुलैत, सर्केट, छमरौली, सिला और क्यारा शामिल हैं। इन गांवों में बिजली, पानी और परिवहन सेवाएं ठप हो गईं। सहस्त्रधारा और टपकेश्वर मंदिर क्षेत्र में जलभराव और भूस्खलन हुआ।

टपकेश्वर महादेव मंदिर, जो धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, भी क्षतिग्रस्त हो गया। इस क्षेत्र में कई घर और दुकानें बह गईं। आईटी पार्क और टपवन क्षेत्र में भी जलभराव और भूस्खलन से गंभीर नुकसान हुआ। कई घर और दुकानें मलबे में दब गईं, और सड़कें बह गईं। यहां के निवासी सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किए गए हैं। कर्लिगाड और कासल में भी कर्लिगाड नदी का जलस्तर बढ़ने से पुल बह गए, जिससे देहरादून-हरिद्वार राजमार्ग पर यातायात ठप हो गया। कासल क्षेत्र में भी भूस्खलन से कई सड़कें बंद हो गईं। दालनवाला और संतला देवी क्षेत्रों में भी भूस्खलन और जलभराव से कई घर क्षतिग्रस्त हुए। स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देहरादून और उसके आसपास के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की स्थिति और आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की आवश्यकता है। स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार राहत और पुनर्निर्माण कार्यों में जुटी हुई है, लेकिन प्रभावित क्षेत्रों में जीवन को सामान्य बनाने में समय लगेगा।

22 सितंबर से बाजार में बहार

लंबे इंतजार के बाद बाजार में रौनक लौटने वाली है। 15 दिन तक चले श्राद्ध पक्ष के कारण जहां दुकानों में सन्नाटा और बाजारों में रौनक कम देखी गई। वहीं अब 21 सितंबर को इसके समाप्त होते ही बाजार में नई जान आ जाएगी। 22 सितंबर, सोमवार से नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जिसे शुभ कार्यों और त्योहारों का आगाज माना जाता है। इस बार बाजार की चहल-पहल के पीछे तीन बड़ी वजहें हैं। पहली, श्राद्ध पक्ष खत्म होते ही खरीदार खुलकर खर्च करेंगे। दूसरी, मोदी सरकार ने हाल ही में जीएसटी में कटौती की है, जिससे कई जरूरी और रोजमर्रा की चीजें सस्ती हुई हैं और ग्राहकों की जेब पर बोझ कम हुआ है। तीसरी, नवरात्रि से दीपावली तक चलने वाले त्योहारों के मौसम की धमाकेदार शुरुआत होने जा रही है। ऐसे में दुकानदार भी पूरी तैयारी में हैं और खरीदारों का उत्साह सातवें आसमान पर है। दिव्य हिमगिरि से शंभू नाथ गौतम की खास खबर।

लंबे इंतजार के बाद अब बाजार में फिर से रौनक लौटने जा रही है। 15 दिन तक चले श्राद्ध पक्ष के दौरान जहां दुकानों में सुस्ती छाई रही और खरीदारों ने जेब ढीली करने से परहेज़ किया, वहीं 21 सितंबर को इसके समाप्त होते ही हालात बदलने लगेंगे। इसके अगले ही दिन 22 सितंबर, सोमवार से नवरात्रि की शुरुआत होगी, जिसे शुभ कार्यों और त्योहारों का आगाज़ माना जाता है। इस बार बाजार के गुलजार होने की तीन बड़ी वजहें सामने आ रही हैं। पहली, श्राद्ध पक्ष की समाप्ति से लोगों की रुकी हुई खरीदारी एक बार फिर तेज होगी। दूसरी, मोदी सरकार की ओर से हाल ही में जीएसटी में की गई कटौती से कई सामान सस्ते हो गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं का मनोबल बढ़ा है। तीसरी, नवरात्रि से लेकर दीपावली तक का त्योहारों का लंबा सीजन आने वाला है, जो खरीदारी और बाजार की हलचल को लगातार गति देगा। दुकानदार भी इस मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई व्यापारियों ने अपनी दुकानों को सजा दिया है, नए-नए ऑफर और छूट का ऐलान किया है। कपड़े, गहने, इलेक्ट्रॉनिक सामान, फर्नीचर और ऑटोमोबाइल बाजार में खरीदारों की भीड़ देखने को मिल रही है। उपभोक्ताओं का उत्साह इतना है कि लोग पहले से ही त्योहारों की लिस्ट बनाकर खरीदारी की तैयारी कर रहे हैं। त्योहारों का यह मौसम न सिर्फ बाजार में नई जान फूंक रहा है, बल्कि कारोबारियों के चेहरों पर भी मुस्कान लौटा रहा है। जीएसटी राहत, श्राद्ध के बाद की उठान और नवरात्रि से शुरू हो रहे त्योहार इन तीनों ने मिलकर माहौल को पूरी तरह बदल दिया है। अब हर कोई यही कह रहा है कि 22 सितंबर से बाजार में सचमुच बहार आने वाली है।

देवभूमि में लगातार आपदा के बाद बाजारों में छाई सुस्ती भी होगी दूर

पिछले दो महीनों से देवभूमि उत्तराखंड पर कुदरत का कहर टूटा है। बादल फटने, भूस्खलन और लगातार बारिश के चलते थराली, धराली, देहरादून, चमोली समेत कई इलाकों में भारी तबाही हुई। इस आपदा में कई लोगों की जानें भी गई, दर्जनों घर और प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हुए। गांव-शहर आपदा से कराह उठे, लोग डरे-सहमे अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहे। जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और बाजारों में भी सुस्ती छा गई। लेकिन अब हालात बदलने की उम्मीद जगी है। 21 सितंबर को श्राद्ध पक्ष समाप्त हो जाएगा और अगले ही दिन 22 सितंबर, सोमवार से नवरात्रि की शुरुआत होगी। इसे शुभ कार्यों और त्योहारों का आगाज माना जाता है। साथ ही मानसून की विदाई भी हो रही है और अक्टूबर का महीना शुरू होने जा रहा है। अक्टूबर को मौसम का सबसे सुहाना दौर कहा जाता है, न ठंडी, न गर्मी, न बारिश। ऐसे में त्योहारों का आगमन, मौसम का बदलता मिजाज और बाजारों की रौनक मिलकर देवभूमि के लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौटा सकते हैं। देहरादून के पलटन बाजार, हल्द्वानी, हरिद्वार, अल्मोड़ा और पहाड़ी कस्बों तक अब दुकानदारों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कपड़े, मिठाई, इलेक्ट्रॉनिक्स और सजावट के सामान से बाजार सजने लगे हैं। दुकानदारों का कहना है कि वे भी इस सीजन से बड़ी उम्मीद लगाए बैठे हैं, क्योंकि आपदा की मार से टूटी अर्थव्यवस्था को थोड़ी राहत त्योहारों से ही मिलेगी। इस बार नवरात्रि से दीपावली तक का कारोबार हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। खासकर उत्तराखंड के प्रमुख शहरों में खरीदारी का

ग्राफ बीते सालों से कहीं अधिक हो सकता है। लोगों का मानना है कि लंबे समय से छाए भय और मायूसी के बीच त्योहारों का यह मौसम न सिर्फ बाजारों में रौनक भरेगा बल्कि आम जनजीवन को भी नई ऊर्जा देगा। आपदा के गहरे घाव पूरी तरह भर तो नहीं सकते, और कई परिवारों ने अपूरणीय क्षति भी झेली है, लेकिन त्योहारों की चहल-पहल और बाजार की हलचल जरूर मरहम का काम करेगी।

आम जनता को राहत, जीएसटी दर घटने से सस्ते होंगे जरूरी सामान

22 सितंबर नवरात्रि से बाजार में त्योहारी रौनक के साथ-साथ आम जनता को राहत की सौगात भी मिलने जा रही है। केंद्र सरकार ने जीएसटी परिषद की हालिया बैठक में कई वस्तुओं पर कर दरों में कटौती की है, जिससे रोज़मर्रा की ज़रूरत की चीजें और कई उपभोक्ता उत्पाद सस्ते हो जाएंगे। इसका सीधा असर बाजार में दिखाई देगा और उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ कम होगा। सबसे बड़ी राहत दूध और दुग्ध उत्पादों को लेकर दी गई है। अब यूएचटी दूध, पैक पनीर और कई तरह के दुग्ध प्रसादों पर जीएसटी खत्म कर दिया गया है। इसके साथ ही मक्खन, घी और पनीर जैसी वस्तुओं पर भी कर में कमी की गई है। इसी तरह, रोटी, खाखरा, पिज़्ज़ा रोटी जैसे पैक खाने की चीज़ों को भी कर दायरे से बाहर कर दिया गया है। सरकार ने घरेलू उपयोग की वस्तुओं को भी सस्ता करने का ऐलान किया है। दंतमंजन, साबुन, केशधोवन और दंतकाष्ठ जैसी आवश्यक वस्तुओं पर अब केवल पाँच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसका फायदा सीधे तौर पर हर घर को मिलेगा। त्योहारी मौसम को देखते हुए मिठाई, ठंडी मलाई, जमी हुई सब्जियां, मुरब्बा और अचार जैसे उत्पादों पर भी कर घटाया गया है, जिससे बाजार में खरीददारी और बढ़ने की संभावना है। वाहन क्षेत्र में भी सरकार ने राहत दी है। छोटे कार मॉडल और 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों पर जीएसटी दरों में कमी की गई है।

व्यापारी संगठनों का कहना है कि जीएसटी में यह कटौती न सिर्फ बिक्री बढ़ाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं की जेब पर भी सकारात्मक असर डालेगी। ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में त्योहारी मौसम का असर और ज्यादा दिखाई देगा। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि इससे उपभोक्ता विश्वास बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। 22 सितंबर से बाजार में सिर्फ रौनक ही नहीं लौटेगी, बल्कि जेब पर बोझ कम होने से त्योहारों का आनंद दोगुना हो जाएगा।

22 सितंबर से सस्ती होंगी मारुति, हुंडई, किया, टाटा और महिंद्रा की गाड़ियां

त्योहारी मौसम से ठीक पहले सरकार ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। जीएसटी परिषद के फैसले के बाद अब चारपहिया वाहनों पर कर दरों में कमी की गई है। इसके चलते मारुति, हुंडई, किया, टाटा और महिंद्रा जैसी बड़ी वाहन कंपनियों की गाड़ियां 22 सितंबर से सस्ती हो जाएंगी। जानकारों के अनुसार छोटे कार मॉडल और मध्यम श्रेणी की गाड़ियों पर जीएसटी दर घटाई गई है। इससे इनकी कीमतों में सीधे तौर पर कमी आएगी। कंपनियां अपने अलग-अलग मॉडलों की नई दरें घोषित करने लगी हैं। अनुमान है कि गाड़ियों की कीमत में लाख रुपये तक की राहत मिल सकती है। वाहन डीलरों का कहना है कि इस कदम से बाजार में बिक्री बढ़ेगी। त्योहारी मौसम में लोग नई गाड़ी खरीदने के लिए पहले से ही बुकिंग कर रहे हैं। जीएसटी कटौती के बाद बुकिंग में और तेजी आने की संभावना है। मारुति, हुंडई, किया, टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियां देश के वाहन बाजार का बड़ा हिस्सा रखती हैं। इनकी गाड़ियां सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडलों में शामिल हैं। कीमतों में कमी से मध्यम वर्ग और युवा उपभोक्ताओं के लिए गाड़ी खरीदना आसान होगा।

त्योहारी सीजन में ऑटो बाजार का बड़ा दांव, छूट से बढ़ेगी बुकिंग, रोजगार को मिलेगी रफ्तार

22 सितंबर से लागू होने वाली जीएसटी कटौती सिर्फ उपभोक्ताओं की जेब को राहत नहीं देगी, बल्कि पूरे ऑटो उद्योग को नई दिशा देने का काम करेगी। अभी तक वाहन क्षेत्र मंदी और ऊंचे दामों से जूझ रहा था। लोग गाड़ियों की बुकिंग करते तो थे, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण अंतिम खरीद में झिझकते थे। अब उम्मीद की जा रही है कि जीएसटी दर घटने से यह झिझक खत्म होगी। वाहन डीलरों के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में इस बार त्योहारी बुकिंग पहले ही तेज रही है। अब कीमतों में कमी से बुकिंग 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसका असर ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में सबसे ज्यादा होगा, जहां लोग लंबे समय से नई गाड़ी लेने का इंतजार कर रहे थे। कार कंपनियों और उनके सप्लायर (पुर्जा निर्माता) को भी इस कटौती से बड़ा फायदा होगा। बिक्री बढ़ने से उत्पादन बढ़ेगा और कारखानों में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अनुमान है कि अगले छह महीनों में ऑटो क्षेत्र में 50 हजार से अधिक नए अस्थायी और स्थायी रोजगार निकल सकते हैं। बैंक और निजी वित्त कंपनियाँ भी इस मौके को भुनाने के लिए नए योजनाएँ लेकर आ रही हैं। आसान किस्तों पर गाड़ी देने और ब्याज दरों में छूट जैसे ऑफर लॉन्च किए जा रहे हैं। इससे उन लोगों को भी गाड़ी खरीदने का मौका मिलेगा, जिनका बजट अब तक सीमित था। महंगाई और आपदाओं से जूझ रही जनता के लिए यह कदम 'त्योहार का तोहफा' साबित होगा। जब उपभोक्ता ज्यादा संख्या में नई गाड़ियां खरीदेंगे, तो इसका सीधा असर न सिर्फ ऑटो उद्योग बल्कि पेट्रोल-डीजल खपत, बीमा, सर्विस और साज-सज्जा के छोटे कारोबारियों तक पहुंचेगा।

मिलावट को जानें और पहचानें

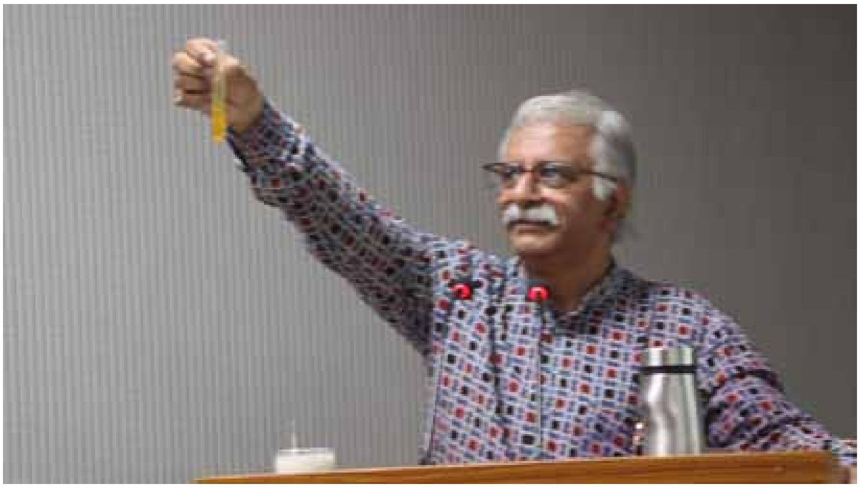

लेखकः डॉ. बृज मोहन शर्मा

मिलावट कोई नई समस्या नहीं है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि समाज को लंबे समय से मिलावट का सामना करना पड़ा है। परंतु आधुनिक युग में यह समस्या अभूतपूर्व गंभीरता और व्यापकता के साथ हमारे सामने उपस्थित है। आज यह केवल एक उपभोक्ता धोखाधड़ी का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य, समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए गहरी चुनौती बन चुका है।

दैनिक जीवन में मिलावट की भयावह सच्चाई

आज हम जिस युग में जी रहे हैं, उसमें भोजन की थाली से लेकर पूजा की सामग्री तक-लगभग हर चीज़ मिलावट की शिकार हो चुकी है। दूध में यूरिया, स्टार्च और डिटर्जेंट मिलाकर उसे गाढ़ा और असली जैसा दिखाया जाता है। पनीर में ड्राय मिल्क और कृत्रिम तेल मिलाकर उसे ताज़ा बताया जाता है। घी को वनीस्पति तेल और सुगंधित रसायनों से नकली रूप दिया जाता है। मसालों में हानिकारक रंग 'जैसे हल्दी में क्रोमियम येलो, मिर्च में लाल ऑक्साइड' डाले जाते हैं। दालों को पॉलिशिंग एजेंट और रंगों से चमकदार बनाया जाता है। चीनी में चॉक पाउडर, नमक में पत्थर और मिट्टी, आटे में चूना और स्टार्च, तेलों में खनिज पदार्थ, और फलों-सब्जियों में कार्बाइड और वैक्स का प्रयोगकृये सब आज आम हो गए हैं। यहां तक कि मिठाइयों में नकली सिल्वर फॉयल और कृत्रिम शुगर सिरप का प्रयोग किया जाता है।

यह केवल धोखाधड़ी नहीं है, यह धीरे-धीरे शरीर को बीमारियों का घर बना देती है। कैंसर, किडनी रोग, हार्मोन असंतुलन, लीवर की खराबी, और बच्चों में मानसिक व शारीरिक विकास की रुकावटकृइन सबके पीछे मिलावटी भोजन का बड़ा योगदान है।

घरेलू परीक्षणः जागरूकता की पहली सीढ़ी

मिलावट की पहचान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है। थोड़े से वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आम नागरिक भी घर पर इसकी पहचान कर सकता है।

दूधः एक बूंद टाइल पर डालें- शुद्ध दूध धीरे फैलेगा, मिलावटी दूध पानी की तरह बह जाएगा।

हल्दीः गर्म पानी में डालें- प्राकृतिक हल्दी हल्का रंग छोड़ेगी, मिलावटी गहरा नारंगी रंग।

चीनीः पानी में घोलें- यदि तल में सफेद अवशेष बचे तो चॉक की मिलावट है।

चाय की पत्तियाँः शुद्ध पत्तियाँ धीरे रंग छोड़ेंगी, मिलावटी तुरंत गहरा रंग देंगी।

आटाः नींबू रस डालने पर झाग बने तो चूना मिला है।

नमकः पानी में घोलने पर यदि तल में पाउडर बैठ जाए तो मिलावट है।

दालेंः पानी में भिगोने पर रंग निकलना या परत उतरना पॉलिशिंग की निशानी है।

फल-सब्जियाँः अगर अस्वाभाविक रूप से चमकदार हों, तो समझिए उन पर रसायन चढ़ा है।

ये सरल प्रयोग उपभोक्ता को सजग बनाते हैं और समाज में विज्ञान-आधारित जागरूकता की नींव रखते हैं।

स्पैक्स और ''रसोई कसौटी''

वर्ष 1999 में स्पैक्स संस्था ने मिलावट के विरुद्ध एक जन-अभियान शुरू किया, जो आज भी सक्रिय है। इसके अंतर्गत कार्यशालाएं, परीक्षण शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वर्ष 2004 में स्पैक्स ने एक अभिनव किट ''रसोई कसौटी'' विकसित की, जिससे घर पर ही खाद्य वस्तुओं की शुद्धता जांची जा सकती है। यह किट भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त है और देशभर में इसका व्यापक उपयोग हो चुका है।

चारधाम यात्रा और 'मिलावट से मुक्ति अभियान'

उत्तराखंड की चारधाम यात्रा में स्पैक्स ने विशेष अभियान चलाया, जिसमें यात्रियों, दुकानदारों और आम जनता को मिलावटी खाद्य पदार्थों की पहचान कराई गई। इस अभियान को सरकार और मीडिया दोनों ने सराहा।

समाधानः मिलावट की समस्या पर समग्र दृष्टिकोण

मिलावट का समाधान केवल सरकार या उपभोक्ता पर नहीं छोड़ा जा सकता। समाज के हर वर्ग की इसमें भूमिका है।

घर/परिवार स्तर पर

- गुणवत्ता चिह्न देखकर ही वस्तुएं खरीदें।
- बिल लेना अनिवार्य करें।
- घरेलू परीक्षण सीखें और बच्चों को सिखाएं।
- छत पर सब्जियाँ उगाएं, अचार-मसाले घर में बनाएं।
- बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ लें।

विद्यालय स्तर पर

- ''मिलावट को जानें और पहचानें'' को सिलेबस का हिस्सा बनाया जाए।
- फूड सेफ्टी क्लब बनाए जाएं।
- छात्रों द्वारा कैंटीन और मिड-डे मील की गुणवत्ता जांच हो।
- बुजुर्गों को बुलाकर अनुभव साझा कराएं।

समाज स्तर पर

- नुक्कड़ नाटक, रैली, पोस्टर प्रतियोगिता जैसे अभियान चलाए जाएं।
- फूड टेस्टिंग कैंप आयोजित हों।
- शुद्ध व्यापार करने वाले दुकानदारों को सम्मानित किया जाए।

व्यापार स्तर पर
• व्यापारी सेल्फ-सर्टिफिकेशन प्रणाली अपनाएं।
• उत्पादों पर क्यू आर कोड से ट्रेसबिलिटी लागू हो।
• सप्लाई चेन और कोल्ड स्टोरेज सुधारे जाएं।

सरकारी स्तर पर
• कड़े कानून और फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएं।
• मोबाइल टेस्टिंग वैन गांवों तक पहुंचें।
• रिसर्च एंड डेवलपमेंट में निवेश बढ़े।
• मिलावट की सूचना देने वालों को पुरस्कार मिले।
•शुद्ध भारत आंदोलन को मीडिया और सोशल मीडिया पर बढ़ावा मिले।

बुजुर्गों की भूमिका
• बुजुर्ग पारंपरिक तरीकों से मिलावट की पहचान करने में दक्ष होते हैं। उनके ज्ञान को विद्यालयों और समाज में साझा किया जाना चाहिए और उसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

प्रिज़र्वेटिव्स और सिंथेटिक मिलावट: एक गंभीर खतरा

आज प्रिज़र्वेटिव्स और सिंथेटिक रसायनों का बढ़ता उपयोग गंभीर चिंता का विषय है। इनके उपयोग पर कड़े मानक और नियम हों
• हर उत्पाद का लैब टेस्ट अनिवार्य हो।
• हानिकारक रसायनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगे।
• उपभोक्ताओं को इनके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाए।

मिलावट के विरुद्ध लड़ाई लंबी और कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। एक जागरूक उपभोक्ता ही मिलावटखोरों का सबसे बड़ा शत्रु है। जब विज्ञान, अनुभव और सामूहिक चेतना मिलकर खड़ी होगी, तब समाज को इस अभिशाप से मुक्ति मिल सकेगी।

अल्ज़ाइमर: स्मृति ह्रास की वैश्विक चुनौती

ललित गर्ग

मस्तिष्क और स्मृति की उपेक्षा से बढ़ रहा स्मृति लोप का रोग दुनिया की एक बड़ी गंभीर समस्या हैं। याददाश्त हर उम्र के व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। तेज़-तर्रार और तनावग्रस्त जीवन ने शरीर और आत्मा दोनों को उपेक्षित कर दिया है। अल्ज़ाइमर की चुनौती हमें याद दिलाती है कि स्वस्थ मस्तिष्क ही स्वस्थ जीवन और स्वस्थ समाज का आधार है। मनुष्य अपनी स्मृति से ही मनुष्य है जब यादें खोने लगती हैं तो पहचान भी धुंधला जाती है। स्मृति का ह्रास केवल व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अस्तित्वगत पहचान के मिट जाने की त्रासदी है। इस बढ़ते रोग की भयानकता के कारण ही 21 सितम्बर को पूरी दुनिया विश्व अल्ज़ाइमर दिवस मनाती है। यह केवल एक स्वास्थ्य-समस्या की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह चेतावनी भी है कि आधुनिक जीवनशैली, मानसिक दबाव और बदलते सामाजिक ढाँचे ने हमारे मस्तिष्क को असमय थका दिया है।

आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्ज़ाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरुआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है। हर तीन सेकंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक नया डिमेंशिया रोगी जुड़ जाता है। दुनिया में, 2025 तक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग मनोभ्रंश (डमेंशिया) से पीड़ित हैं, और 2050 तक यह संख्या बढ़कर 139 मिलियन (13.9 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम रूप है। भारत में, 2023 के एक अध्ययन के अनुसार 9 मिलियन (90 लाख) से अधिक बुजुर्ग मनोभ्रंश से जूझ रहे हैं, और यह संख्या 2036 तक बढ़कर लगभग 17 मिलियन (1.7 करोड़) हो जाने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, यह समस्या महिलाओं को अधिक होती है। एम्स और निम्हैंस जैसी संस्थाएं इसकी शुरूआती पहचान और रिसर्च पर काम कर रही है। बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं में इस रोग का बढ़ना ज्यादा चिन्ताजनक है। अल्जाइमर के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से बढ़ती उम्र, आनुवंशिकी (कुछ जीन) और मस्तिष्क में असामान्य प्रोटीन

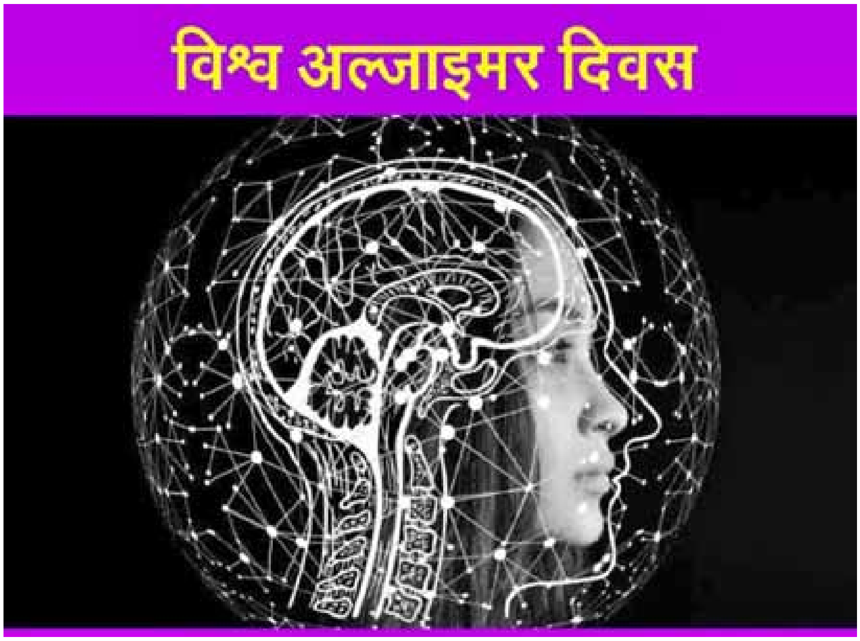

जमाव शामिल हैं। इसके अलावा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा और धूम्रपान जैसे जीवनशैली संबंधी कारक, और हृदय संबंधी समस्याएँ भी अल्जाइमर के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। शोध बताते हैं कि लगातार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों में 35 प्रतिशत तक याददाश्त और एकाग्रता कम हो सकती है। लंदन यूनिवर्सिटी ने पाया कि मोबाइल पास होने मात्र से 10 प्रतिशत तक स्मृति घट जाती है। आईएएमएआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 60 करोड़ स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने वाले हर रोज औसतन 4.9 घंटे मोबाइल पर रहते हैं। एम्स के मुताबिक, युवाओं में डिजिटल डिमेंशिया जैसे लक्षण बढ़ रहे हैं। इस रोग की सबसे भयावह सच्चाई यह है कि यह केवल रोगी को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। स्मृति का खो जाना, निर्णय लेने की क्षमता का क्षीण हो जाना, बार-बार वही प्रश्न पूछना, भाषा और व्यवहार में असामान्यता आना और अंतत: अपनी पहचान तक खो बैठना-यह सब न केवल रोगी बल्कि उसके आसपास के लोगों के लिए भी असहनीय स्थिति बन जाती है।

अल्ज़ाइमर का सीधा संबंध मस्तिष्क की कोशिकाओं से है। यह एक प्रगतिशील रोग है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है, लेकिन केवल यही कारण नहीं है। असंतुलित जीवनशैली, तनाव, नींद की कमी, मानसिक निष्क्रियता, नशे की आदतें और अस्वास्थ्यकर आहार भी इसके बड़े कारण हैं। धीरे-धीरे मनुष्य की सोचने-समझने की शक्ति कम होने लगती है और उसका व्यक्तित्व बदल जाता है। यह रोग न केवल चिकित्सा की दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी गहरी चुनौती है। रोगी की देखभाल पर आने वाला खर्च कई बार परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देता है। परिवार के सदस्यों के लिए यह लगातार तनाव और थकान का कारण बनता है। कई बार यह रोग परिवारों में दूरी और टूटन का भी कारण बन जाता है। एक ओर बढ़ती वृद्धावस्था, दूसरी ओर उपेक्षा और अकेलेपन का संकट-ये सभी मिलकर स्थिति को और भी विकट बना देते हैं।

अल्जाइमर दिमाग से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इससे याददाश्त बुरी तरह प्रभावित होती है। व्यक्ति के व्यवहार और जीवन पर असर पड़ने लगता है। वह धीरे-धीरे सब कुछ भूल जाता है। प्रारंभिक चरण में स्मृति हल्की, लेकिन ध्यान देने योग्य होती है। लोग हाल ही में घटित घटनाओं या परिचित नामों को भूल सकते हैं। मध्यम अवस्था में संज्ञानात्मक गिरावट अधिक सपष्ट हो जाती है। रोगी को समस्या-समाधान करने, बोलने या नियमित काम करने में समस्या हो सकती है। निगलने में कठिनाई और फेफड़ों में संक्रमण जैसी जटिलताएं सामने आती हैं। उन्नत अवस्था में रोगी बात करने में असमर्थ हो सकते हैं। उन्हें हर समय देखभाल करने की जरूरत हो सकती है। वे खाने व चलने जैसे बुनियादी काम नहीं कर पाते। वे बार-बार गिर सकते हैं, जिसमें उन्हें चोट लग सकती है।

दुर्भाग्य यह है कि अल्ज़ाइमर का आज तक कोई पूर्ण उपचार उपलब्ध नहीं है। अमेरिका में हाल में कुछ दवाओं को शुरूआती स्तर पर अल्जाइमर की प्रगति धीमी करने के लिए मंजूरी मिली है। ये दवाएं दिमाग में एमीलॉइड प्लेक्स कम करने पर काम करती हैं, जिन्हें समस्या का मुख्य कारण माना जाता है। संभावना है जल्दी ही देश में भी ये दवाएं मिलने लगेंगी। दवाइयाँ केवल इसकी गति को कुछ समय के लिए धीमा कर सकती हैं। ऐसे में रोकथाम के लिये संकल्प, प्राकृतिक उपचार, मनोबल ही सबसे बड़ी दवा है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग और ध्यान जैसे अभ्यास, मानसिक सक्रियता बनाए रखना, नई-नई चीजें सीखना, किताबें पढ़ना और सामाजिक जुड़ाव बनाए रखना-ये सब मस्तिष्क को सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने के महत्वपूर्ण साधन हैं। जीवनशैली में थोड़े-से परिवर्तन अपनाकर इस रोग को देर तक टाला जा सकता है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अल्ज़ाइमर से पीड़ित लोगों को सबसे अधिक आवश्यकता हमारी करुणा और सहानुभूति की होती है। यह केवल चिकित्सा की नहीं, बल्कि संवेदना की भी चुनौती है। हमें रोगियों को बोझ न समझकर उनके आत्मसम्मान को बनाए रखना चाहिए। उनके प्रति धैर्य, प्रेम और संवेदनशीलता का व्यवहार ही उन्हें कुछ हद तक संबल दे सकता है। इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों में कलंक एवं हीनता के भाव को कम करने के लिए ही विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। विश्व अल्ज़ाइमर दिवस की थीम हर साल बदलती है ताकि डिमेंशिया देखभाल और जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। 2025 की थीम है 'डिमेंशिया के बारे में पूछें, अल्ज़ाइमर के बारे में पूछें', जिसका उद्देश्य अल्ज़ाइमर रोग और डिमेंशिया के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, खुले संवाद को प्रोत्साहित करना और समय पर निदान को बढ़ावा देना है। ये थीम दुनिया भर में जागरूकता अभियानों का मार्गदर्शन करती हैं, तथा हमें याद दिलाती हैं कि अल्जाइमर केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चुनौती भी है, जिसके लिए करुणा, चिकित्सा सहायता और मजबूत नीतियों की आवश्यकता है, जो इस रोग के बारे में बेहतर समझ और रोगियों को मजबूत इच्छाशक्ति बनाने में मदद कर सकती है।

सिंगर जुबीन गर्ग का दुखद अंत

भारतीय संगीत का एक चमकता सितारा चला गया। संगीत प्रेमियों के लिए शुक्रवार को एक बहुत ही दुखद खबर सामने आई। असम और पूरे देश में अपनी मनमोहक आवाज से दिलों को छूने वाले महान गायक जुबिन गर्ग का 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में एक स्कूबा डाइविंग हादसे में निधन हो गया। वे 52 वर्ष के थे और उनकी अचानक मौत ने संगीत जगत को गहरे शोक में डाल दिया। जुबीन गर्ग ने बॉलीवुड में अपनी पहचान 2006 में फिल्म 'गैंगस्टर' के गीत 'या अली' से बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं और बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियों ने जुबीन के निधन पर शोक श्रद्धांजलि दी।

भारतीय संगीत जगत एक बड़े स्तंभ को खो बैठा। असम और पूरे देश में अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली आवाज से लोगों के दिलों में अपनी खास पहचान बनाने वाले फेमस गायक जुबिन गर्ग का 19 सितंबर को सिंगापुर में एक स्कूबा डाइविंग हादसे में निधन हो गया। वे 52 वर्ष के थे। उनके अचानक और दुखद निधन ने संगीत प्रेमियों के बीच शोक की लहर दौड़ा दी है। जुबीन गर्ग ने बॉलीवुड में अपनी पहचान 2006 में फिल्म 'गैंगस्टर' के गीत 'या अली' से बनाई। इसके बाद उन्होंने 'बिन तेरे', 'जिया रे', 'दिल तू ही बता', 'सुबह-सुबह' जैसे कई हिट गाने दिए। उनकी आवाज़ ने उन्हें न केवल एक गायक, बल्कि एक सांस्कृतिक आइकन बना दिया। गर्ग का जन्म 18 नवंबर 1972 को मेघालय के तुरा में हुआ था। जुबीन के पिता मोहिनी मोहन गर्ग कवि और लेखक थे जबकि मां आईलीन गर्ग शास्त्रीय नृत्यांगना थीं, इसी कारण जुबीन का बचपन से ही कला और संगीत से गहरा नाता रहा। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में तबला और हारमोनियम सीखना शुरू कर दिया था और बाद में उन्होंने असमिया गीतों से अपने करियर की शुरुआत की। धीरे-धीरे वे हिंदी, बांग्ला, तमिल और तेलुगु जैसी कई भाषाओं में गाने लगे। उन्होंने हिंदी, असमिया, बांग्ला, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु और अन्य भाषाओं में 40 से अधिक भाषाओं में गाने गाए। उनकी आवाज में एक विशेष जादू था, जो सुनने वाले के दिल को छू जाता था और उन्हें हर पीढ़ी के संगीत प्रेमियों के लिए यादगार बना देता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, 'जुबिन गर्ग की आवाज़ ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी।' असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उन्हें असम का 'प्रिय बेटा' बताते हुए श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें एक ऐसी आवाज़ बताया जिसने एक पीढ़ी को परिभाषित किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें 'प्रिय भाई' बताते हुए कहा कि उनकी आवाज और संगीत हमेशा याद रखे जाएंगे। गर्ग का निधन न केवल असम बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी आवाज़ ने न केवल संगीत प्रेमियों को, बल्कि हर उस व्यक्ति को जो जीवन की कठिनाइयों से जूझ रहा था, सांत्वना दी। उनकी आवाज में एक विशेष शक्ति थी, जो दिलों को जोड़ती थी और आत्मा को शांति प्रदान करती थी। उनकी यादें और उनका संगीत हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेगा। जुबिन गर्ग का योगदान भारतीय संगीत जगत में हमेशा अमिट रहेगा।

रोमांस के साथ जोखिम भरा भी है 'स्कूबा डाइविंग': प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग का शुक्रवार को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान निधन हो गया। 52 वर्षीय जुबीन 'नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल' में हिस्सा लेने सिंगापुर पहुंचे थे और इसी दौरान उन्होंने समुद्र में स्कूबा डाइविंग की। जानकारी के अनुसार डाइविंग के दौरान अचानक उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई। तुरंत गोताखोर टीम ने उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। स्कूबा डाइविंग दरअसल एक एडवेंचर स्पोर्ट है जिसमें गोताखोर पानी के भीतर सांस लेने के लिए एक विशेष उपकरण का इस्तेमाल करता है। गोताखोर अपनी पीठ पर एयर टैंक लेकर चलता है, जो उसे पानी के भीतर सांस लेने की सुविधा देता है। इस प्रक्रिया के लिए मास्क, फिन्स और रेगुलेटर जैसे उपकरण भी लगाए जाते हैं। स्कूबा डाइविंग रोमांचक जरूर है लेकिन इसमें जोखिम भी बहुत हैं। पानी की गहराई के साथ दबाव बढ़ जाता है और अचानक ऊपर आने पर 'डिकम्प्रेशन सिकनेस' हो सकती है। इसके अलावा उपकरण की खराबी, ऑक्सीजन की कमी, या किसी व्यक्ति की पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्या भी डाइविंग के दौरान घातक साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार अस्थमा, हृदय रोग, फफेड़ों की बीमारी या हाल ही में हुई सर्जरी वाले लोगों को स्कूबा डाइविंग से बचना चाहिए। सही प्रशिक्षण, गाइड की मौजूदगी और सुरक्षा नियमों का पालन बेहद जरूरी होता है। जुबीन गर्ग की मौत की सटीक वजह अब तक साफ़ नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट्स में इसे सांस लेने में आई दिक्कत से जुड़ा बताया गया है। जुबीन गर्ग असमिया और हिंदी फिल्मों में अपने गानों के लिए बेहद लोकप्रिय रहे। उनके अचानक निधन से पूरे संगीत जगत और प्रशंसकों में शोक की लहर है। गायक होने के साथ-साथ वे संगीतकार, अभिनेता और फिल्म निर्देशक भी रहे। उनके अचानक चले जाने से संगीत जगत और उनके चाहने वालों को गहरा सदमा पहुंचा है। असम से लेकर पूरे देश तक उनके गानों की गूंज रही और वे हमेशा अपने गीतों और संगीत से याद किए जाएंगे।

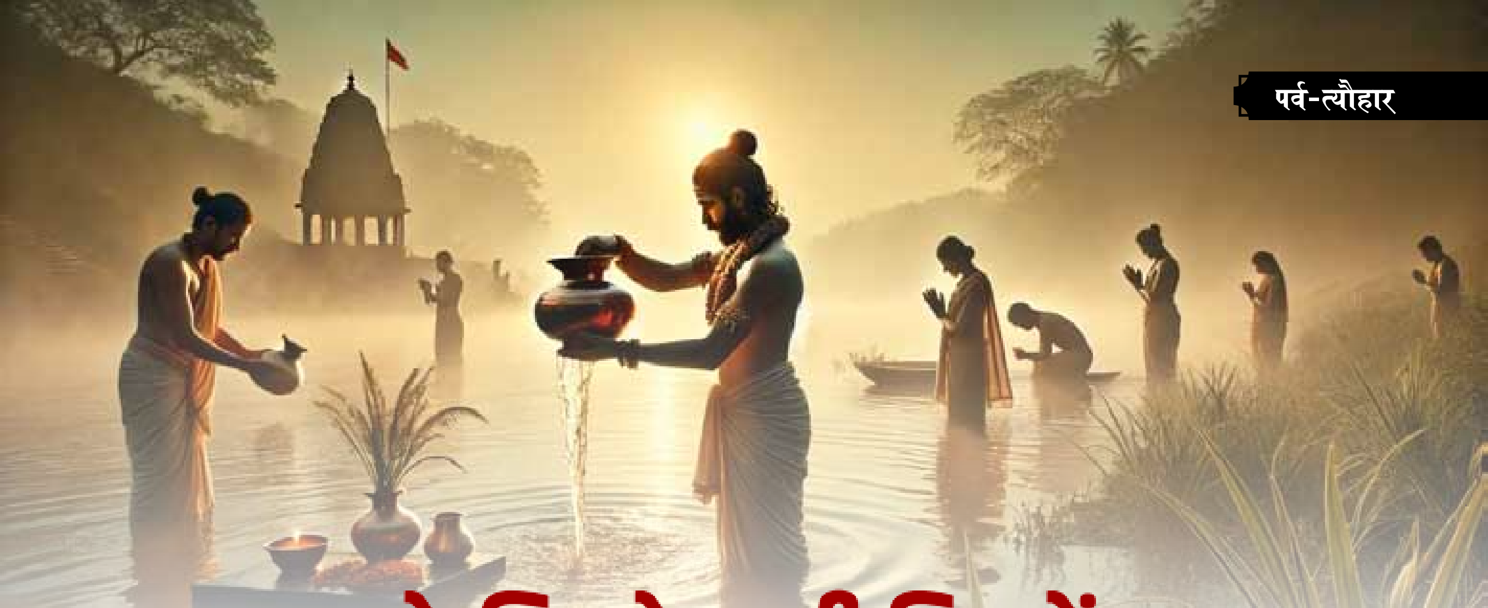

भूले-बिसरे सभी पितरों का श्राद्ध होता है पितृ विसर्जन पर!

डॉ श्रीगोपाल नारसन
एडवोकेट

अपने पितरों का पिंडदान, श्राद्ध और तर्पण के लिए सबसे उत्तम समय पितृ विसर्जन अमावस्या है। आश्विन मास की अमावस्या तिथि 21 सितंबर 2025 को रात 12 बजकर 16 मिनट पर प्रारंभ होकर 22 सितंबर 2025 को देर रात 1 बजकर 23 मिनट तक रहेगी। पंचांग के अनुसार सर्वपितृ अमावस्या रविवार, 21 सितंबर को मनाई जाएगी।

जिनको अपने पूर्वज की मृत्यु तिथि नहीं पता है वे सर्वपितृ अमावस्या के दिन उनका श्राद्ध करते हैं। इस दिन पितरों को विदाई दी जाती है। इसलिए इसे पितृ विसर्जन अमावस्या पर्व कहा जाता है। मान्यता है कि जिनके पूर्वज श्राद्ध ग्रहण कर खुशी-खुशी परमधाम लौटते हैं, उनके घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। पितृ विसर्जन के दिन पितरों की विदाई श्रद्धाभाव से करनी चाहिए। पितृ विसर्जन पर्व पर प्रात: काल स्नान करने के बाद पीपल के पेड़ के पास पितरों का ध्यान करते हुए गंगा जल, काला तिल, चीनी, चावल, सफेद पुष्प अर्पित करते हुए ऊं पितृभ्य: नम: मंत्र का जाप करना चाहिए, इसके बाद पितृ सुक्त का पाठ करें और अपने पितरों से उनके प्रति की गई किसी भी गलती या भूल के लिए क्षमा याचना करे। सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों के लिए तरह-तरह व्यंजन बनाकर पितरों का तर्पण करे और फिर ब्राम्हणों को भोजन कराएं। इस दिन किसी भिखारी को दरवाजे से किसी को खाली हाथ न जाने दें। यदि घर पर कोई भिखारी आता है तो उसका इज्जत सत्कार करते हुए उसे भोजन कराकर जरुरत की वस्तुएं दान दें। इस दिन घर पर या घर के आस-पास रहने वाले जानवरों को भोजन कराएं। मान्यता है कि इस दिन जो लोग श्रद्धा भाव से पितरों का तर्पण करते हैं उन पर पितृ प्रसन्न रहते हैं। सर्वपितृ अमावस्या को उन लोगों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु अमावस्या को होती है। वहीं जिन लोगों की मृत्यु की तिथि ज्ञात नहीं होती है उन लोगों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान भी सर्वपितृ अमावस्या को किया जाता है। इसीलिए सर्वपितृ अमावस्या को श्राद्ध पक्ष में बहुत ही विशेष माना गया है। इस दिन उन महिलाओं का भी श्राद्ध करने की परंपरा है, जिनकी मृत्यु सौभाग्यवती रहते हुए हो जाती है। वैसे महिलाओं के लिए नवमी तिथि को अहम माना गया है। नवमी की तिथि को विवाहित महिलाओं का श्राद्ध करने का विधान है।

अमावस्या श्राद्ध - 21 सितम्बर 2025, रविवार
कुतुप मूहूर्त - 11:50 पूर्वान्ह से 12:38 अपरान्ह
रौहिण मूहूर्त - 12:38 अपरान्ह से 01:27 अपरान्ह
अपरान्ह काल - 01:27 अपरान्ह से 03:53 अपरान्ह
अमावस्या तिथि प्रारम्भ - सितम्बर 21, 2025 को 12:16 बजे
अमावस्या तिथि समाप्त - सितम्बर 22, 2025 को 01:23 पूर्वान्ह बजे

इस अमावस्या को मोक्षदायिनी अमावस्या भी कहते हैं। इस बार की सर्वपितृ अमावस्या पर बहुत ही शुभ संयोग बन रहा है। इस बार अमावस्या के दिन शनिवार होने के कारण इसे शनिचरी अमावस्या भी कहा जा रहा है। इस दिन साल का अंतिम सूर्य ग्रहण लग रहा है। इस अवसर पर शुभ इंद्र योग भी है। सर्वपितृ अमावस्या अश्विन माह में पड़ने से इसका महत्व और बढ़ जाता है। श्राद्ध पर्व परमेश्वर की रची हुई माया का एक अंश है, जिसके द्वारा वे सभी प्राणियों के साथ अपना कौतुक करते हैं। ये सभी प्राणियों को अपने शरीर से ही प्रकट करते हैं और पुन: अपने में ही विलीन कर लेते हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक के कालखंड को ही जीवन कहते है। जिसको जीव प्रति कल्प अपने कर्मो के अनुसार भोगता है। जन्म लेने के बाद जो जीव परमेश्वर को याद रखते हैं वे कालान्तर में पुन: उन्हीं में विलीन हो जाते हैं अर्थात मोक्ष प्राप्त कर लेते है और जो मार्ग से भटक जाते हैं, उन्हें पुन: जन्म लेना पड़ता

है। जिस प्रकार यात्रा करते समय मार्ग का सही पता न होने के कारण हम मार्ग भूलकर आगे निकल जाते हैं और किसी और से रास्ता पूछकर वापस लौटते हैं, उसी प्रकार यह भी एक जीवन यात्रा है। प्राणियों को मोक्ष लिए परमेश्वर ने छियानबे पर्व बनाए हैं। इनमें बारह महीने की बारह अमावस्या, सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग के प्रारम्भ की चार तिथियां, मनुवों के आरम्भ की चौदह मन्वादि तिथियां, बारह संक्रांतियां, बारह वैधृति योग, बारह व्यतिपात योग, पंद्रह महालय-श्राद्ध पक्ष की तिथियां, पांच अष्टका, पांच अन्वष्टका और पांच पूर्वेद्युह ये श्राद्ध करने छियानबे अवसर निहित हैं। जिनमें अलग-अलग तीर्थों, नदियों, गया तथा बद्रीनाथ में पिंडदान या फिर तर्पण किये जा सकते हैं। देवताओं के पितृगण 'अग्निष्वात्त' व सोमपथ की मानस कन्या अच्छोदा ने एक हज़ार वर्ष तक निर्बाध तपस्या की थी, उनकी इस तपस्या से प्रसन्न होकर दिव्य शक्ति परायण देवताओं के पितृगण अच्छोदा को वरदान देने के लिए दिव्य सुदर्शन शरीर धारण कर आश्विन अमावस्या के दिन उपस्थित हुए थे। उन पितृगणों में 'अमावसु' नाम के एक अत्यंत सुंदर पितर की मनोहारी-छवि यौवन और तेज देखकर अच्छोदा कामातुर हो गयीं और उनसे प्रणय निवेदन करने लगीं किन्तु अमावसु अच्छोदा की कामप्रार्थना को ठुकराकर अनिच्छा प्रकट की जिससे अच्छोदा अति लज्जित हुई और स्वर्ग से पृथ्वी पर आ गिरीं। अमावसु के ब्रह्मचर्य और धैर्य की सभी पितरों ने सराहना की एवं वरदान दिया कि, यह तिथि 'अमावसु' के नाम से जानी जाएगी। इसी कारण इस पर्व को पवित्रता का पितृ विसर्जन पर्व माना जाता है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया द्वारा इंजीनियर्स डे पर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकीय उत्कृष्टता विषय पर मंथन

द इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तराखंड स्टेट सेंटर देहरादून द्वारा भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की 164वीं जयंती पर 58वां इंजीनियर्स डे समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस वर्ष का विषय 'अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकीय उत्कृष्टता: भारत के तकनीकी दशक को गति देना' रखा गया। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ओंकार सिंह ने विशिष्ट अतिथि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया के पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर नरेंद्र सिंह, मुख्य अभियंता सिंचाई विभाग इंजीनियर सुभाष पांडे, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता इंजीनियर राजेश चंद्र शर्मा, उत्तराखंड रियल इस्टेट नियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष अमिताभ मैत्र, ब्रिडकुल के प्रबंध निदेशक इंजीनियर एन.पी. सिंह तथा लघु सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता इंजीनियर बी. के. तिवारी की गरिमामय उपस्थित में कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पण से हुआ। इंजीनियर आर.वी.एस. चौहान ने सर विश्वेश्वरैया के जीवन परिचय तथा कार्यों का वर्णन करते हुए उन्हें याद किया। इंजीनियर डी.सी. अरोड़ा ने समस्त उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उत्तराखंड राज्य चैप्टर के अध्यक्ष प्रोफेसर चन्द्र प्रकाश शर्मा ने विषय वक्ता के रूप में कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए वर्तमान भारत विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य अतिथि डॉ. ओंकार सिंह ने विश्वेश्वरैया के योगदान के योगदान को याद करते हुए अभियंताओं से उनके पदचिन्हों पर चलने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियंता राष्ट्र के विकास के मुख्य ध्वजवाहक हैं तथा उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के साथ संतुलन और सामंजस्य बना कर कार्य करना होगा। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के कार्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों और तकनीकी कौशल ने वर्तमान भारत की अभियांत्रिकी की नींव को मजबूत आधार प्रदान किया।

इस अवसर पर डॉ. अनुज सिंघल और डॉ. तारा को उनके चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों और संस्थाओं के अभियंता एवं अधिकारी मौजूद रहे।

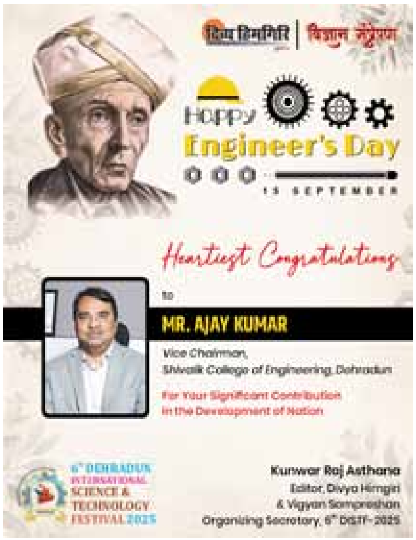
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. AJAY KUMAR
Vice Chairman,
Shivalik College of Engineering, Dehradun
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

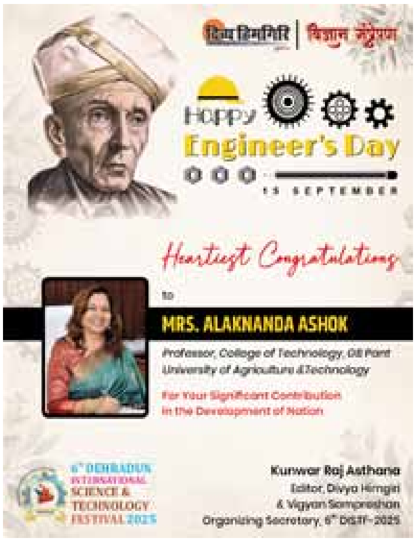
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MRS. ALAKNANDA ASHOK
Professor, College of Technology, GB Pant
University of Agriculture &Technology
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. AMARNATH TRIPATHY
GM (HR&CC) THDC India Ltd.
RISHIKESH
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
DR. AMIT AGARWAL
Director, Institute of Technology
Gopeshwar, Uttarakhand
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. AMIT NEGI, IAS
Additional Secretary, Prime Minister Office
Government of India
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

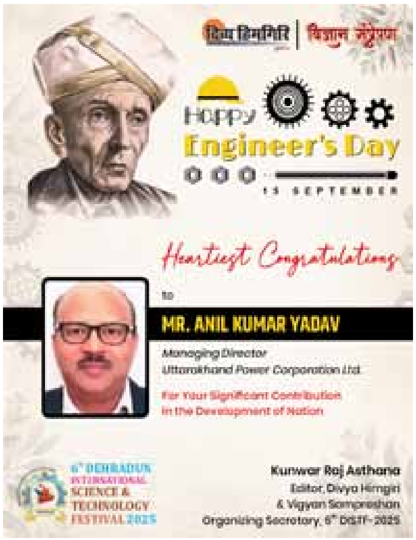
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. ANIL KUMAR YADAV
Managing Director
Uttarakhand Power Corporation Ltd.
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. ASHOK KUMAR, IPS (Rtd.)
Former Director General of Police
Uttarakhand
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

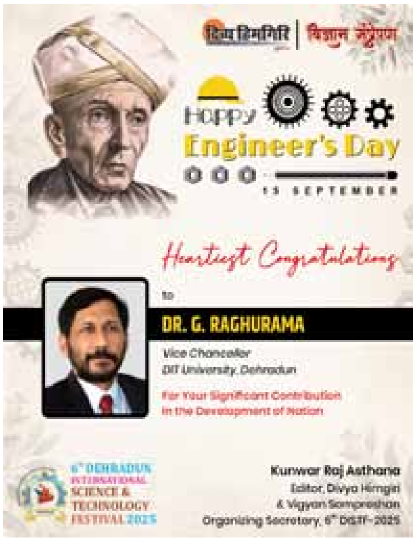
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
DR. G. RAGHURAMA
Vice Chancellor
DIT University, Dehradun
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

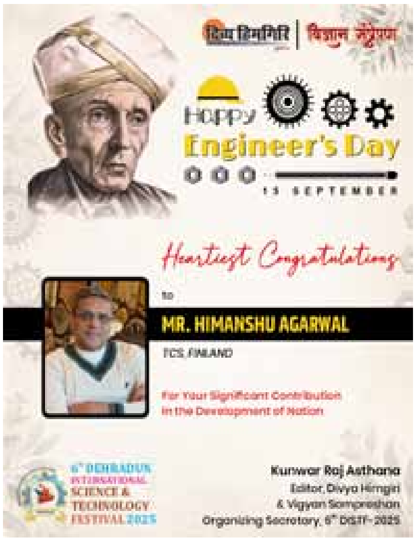
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. HIMANSHU AGARWAL
TCS, FINLAND
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. JAI KUMAR
Asst. General Manager
Steel Authority of India Ltd., Durgapur
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
DR. MANISH PRATEEK
Pro Vice Chancellor
DBS Global University, Dehradun
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MRS. CHARU AGARWAL
Executive Engineer
Uttarakhand Payjal Nigam, Dehradun
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. NARENDRA SINGH, FIE
Past Chairman
IE(I) Kolkatta
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. NEERAJ KUMAR SHARMA
CGM & Head, Corporate Administration
ONGC Ltd., Dehradun
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. N.K.YADAV
Chairman, Institution of Engineers
Uttarakhand State Chapter
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

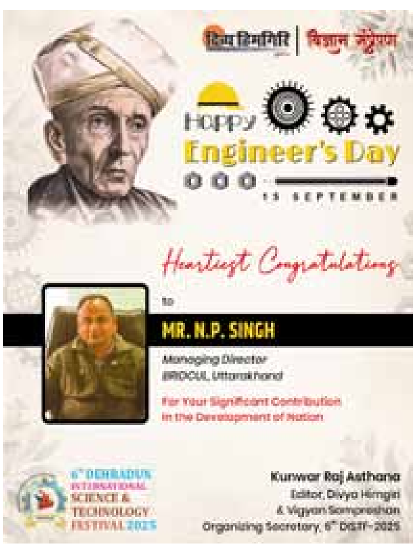
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. N.P. SINGH
Managing Director
BRIDCUL, Uttarakhand
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

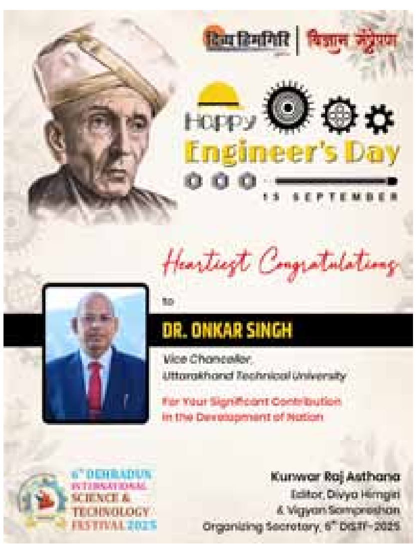
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
DR. ONKAR SINGH
Vice Chancellor,
Uttarakhand Technical University
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

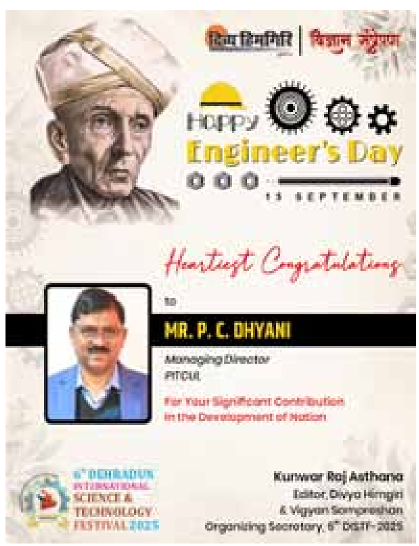
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. P. C. DHYANI
Managing Director
PITCUL
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

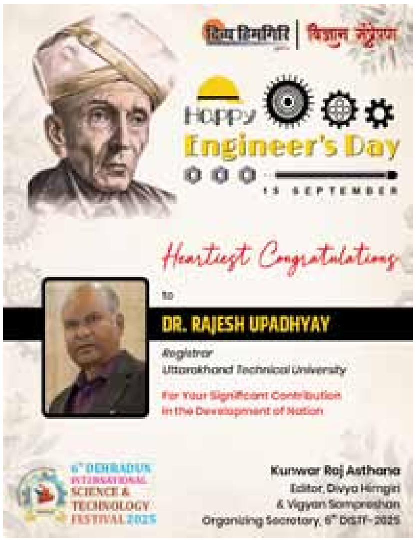
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
DR. RAJESH UPADHYAY
Registrar
Uttarakhand Technical University
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. RAVINATH RAMAN, IAS
Secretary, Govt. of Uttarakhand
Secretary to Governor of Uttarakhand
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. R.P. GUPTA
Former Director
Technical Education Uttarakhand
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. SANDEEP SINGHAL
Managing Director
Uttarakhand Jal Vidyut Nigam Ltd.
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MRS. SOWJANYA, IAS
Joint Director,
LBS National Academy of Administration
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. SRI RAM MISHRA
Former Executive Director,
THDC India Ltd.
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

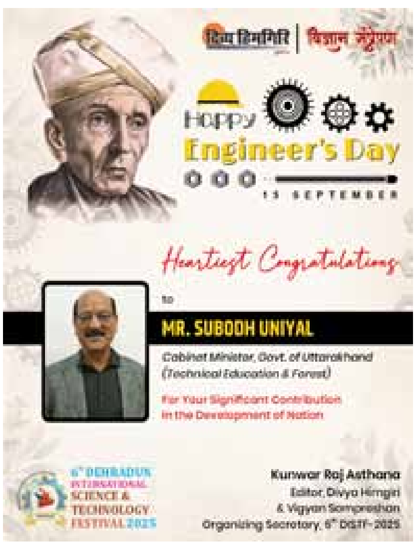
दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MR. SUBODH UNIYAL
Cabinet Minister, Govt. of Uttarakhand
(Technical Education & Forest)
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
DR. SUNIL RAI
President, University of Petroleum &
Energy Studies (UPES), Dehradun
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

दिव्य हिमगिरि | विज्ञान संप्रेषण
Happy
Engineer's Day
15 SEPTEMBER
Heartiest Congratulations
to
MRS. TRIPTI BHATT, IPS
Commandant
40th Vahini PAC Haridwar
For Your Significant Contribution
in the Development of Nation
6th DEHRADUN INTERNATIONAL SCIENCE & TECHNOLOGY FESTIVAL 2025
Kunwar Raj Asthana
Editor, Divya Himgiri
& Vigyan Sampreshan
Organizing Secretary, 6th DISTF-2025

उत्तराखंड में प्रोफेशनल मंच के साथ लगातार अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े कर्मठ लोग राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम रहे हैं: अनुपम खत्री

श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, टिहरी गढ़वाल के पूर्व सचिव एवं प्रखर छात्र नेता अभिमन्यु ने राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की सदस्यता ग्रहण की। यह ज्वाइनिंग रालोद के प्रोफेशनल मंच उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर युद्धवीर सिंह की मौजदूगी में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर युवा छात्र नेता राजा आर्यन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस मौके पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता अनुपम खत्री ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि ''उत्तराखंड में प्रोफेशनल मंच के साथ लगातार अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े कर्मठ लोग राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम रहे हैं। इनमें वकील, डॉक्टर, समाजसेवी, इंजीनियर और राजनीति से जुड़े लोग सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. जयंत चौधरी जी के नेतृत्व में गठित प्रोफेशनल मंच राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान बना रहा है। हाल ही में प्रोफेशनल मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट श्री रविकांत चड्ढा जी के उत्तराखंड दौरे के बाद से राज्य में भी यह मंच लगातार सक्रियता और विस्तार पा रहा है।''

प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर युद्धवीर सिंह ने कहा कि-

''श्री अभिमन्यु जी जैसे ऊर्जावान और सक्रिय छात्र नेताओं का रालोद से जुड़ना पार्टी के लिए नई ऊर्जा का संचार है।'' संगठन में युवाओं की भागीदारी ही हमारी ताकत है और हम सब मिलकर उत्तराखंड की राजनीति में एक नई दिशा देंगे।

यूजेवीएन लिमिटेड मुख्यालय उज्ज्वल में भगवान विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाई गई

17 सितम्बर, 2025 को यूजेवीएन लिमिटेड के मुख्यालय सहित विभिन्न परियोजनाओं, विद्युत गृहों तथा कार्यालयों में देवताओं के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। यूजेवीएन लिमिटेड के मुख्यालय उज्ज्वल में भी हर वर्ष की भांति इस अवसर पर पारंपरिक पारंपरिक विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मा का पूजन एवं विभिन्न यंत्रों और औजारों की पूजा की गई। निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा को न केवल ब्रह्मा जी का पुत्र माना गया है, बल्कि उन्हें ब्रह्मांड का शिल्पी भी कहा जाता है। वे अभियंताओं, शिल्पियों तथा कारीगरों के साथ-साथ अन्य विभिन्न पेशेवरों द्वारा भी श्रद्धापूर्वक पूजे जाते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से भगवान विश्वकर्मा के आदर्शों पर चलकर समर्पण, नवाचार और परिश्रम की भावना से कार्य करने का आहवान किया।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल के साथ ही निदेशक परिचालन विनय मिश्रा, अधिशासी निदेशक आशीष जैन, महाप्रबंधक भरत भारद्वाज, सी.पी. दिनकर, संजीव लोहनी, उपमहाप्रबंधक मनोज केसरवानी, अनुपम गुप्ता, अधिशासी अभियंता प्रभाकर गुप्ता, राकेश चौहान, के.के. गुप्ता, तारा रानी, रेखा डंगवाल सहित भूपेश पांगती, देवेंद्र नौटियाल, संजय कुमार, सुधीर कुमार, राजेश यादव, कमलेश नौटियाल तथा निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

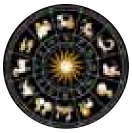
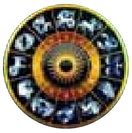
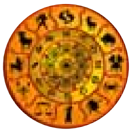

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- पिछले कुछ समय से चल रही किसी चिंता से राहत मिलेगी और आप अपने व्यक्तिगत कामों पर ध्यान दे पाएंगे। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद और प्यार भी आप पर बना रहेगा। युवा वर्ग अपने लक्ष्य के प्रति सतर्क रहें, निश्चित ही सफलता मिलेगी। आय और खर्च में सही तालमेल बनाकर रखें, वरना आर्थिक स्थिति से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं।

वृषभ राशि- व्यवस्थित दिनचर्या रखने से आपके काम समय पर पूरे होते जाएंगे। जगह बदलने से जुड़ी किसी भी योजना को सफल बनाने के लिए समय अच्छा है। आध्यात्म और धर्म-कर्म में रुचि आपके व्यवहार को बहुत ही सकारात्मक बनाएगी। समय का पूरा ध्यान रखें और तय समय पर अपनी दिनचर्या से जुड़े कामों को पूरा करते जाएं।

मिथुन राशि- प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री से जुड़ी कोई गतिविधि चल रही है, तो आज उससे संबंधित काम हो सकता है। परिवार में कोई धार्मिक आयोजन से जुड़ी योजना बनेगी और घर की रखरखाव से जुड़ी गतिविधियों में भी समय बीतेगा। घर-परिवार से जुड़ी विपरीत परिस्थितियों का आपसी तालमेल से समाधान निकालने की जरूरत है।

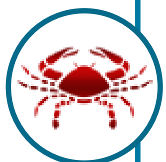

कर्क राशि- बाहरी गतिविधियों में आपका योगदान रहेगा और पहचान भी मिलेगी। कुछ प्रतिष्ठित लोगों के साथ मेल-मुलाकात के अवसर बनेंगे और संपर्क का दायरा भी बढ़ेगा। इस समय निवेश से जुड़े कामों में भी पूरा ध्यान दें क्योंकि परिस्थितियां अच्छी हैं। बहुत ज्यादा खर्चों की वजह से पैसों की दिक्कत रह सकती है। थोड़ा समझदारी से काम लें।

सिंह राशि- आपका सहज और उदार स्वभाव लोगों को अनायास ही आकर्षित करेगा। पेमेंट आदि मिलने से आर्थिक स्थिति काफी हद तक बेहतर होती जाएगी। विद्यार्थी भी अपनी पढ़ाई से जुड़े कामों की ओर ध्यान लगाएंगे। परिवार के साथ कोई मनोरंजक यात्रा भी संभव है। किसी भी परिस्थिति में अपना व्यवहार खराब न होने दें।

कन्या राशि- कोई रुका हुआ काम बन सकता है, जिससे बहुत ही सुकून मिलेगा। राजनीतिक संबंधों से आपका जनसंपर्क दायरा और ज्यादा बढ़ेगा और भविष्य में यह संपर्क आपके काम भी आएंगे। किसी भी अनजान व्यक्ति से बातचीत करते समय अपने राज साझा न करें। जोखिम भरे कामों से भी दूर रहें क्योंकि नुकसान के अलावा और कुछ हासिल नहीं होगा।

तुला राशि- ग्रह-नक्षत्र बहुत ही सकारात्मक बने हुए हैं। पैसों से जुड़े मामलों में जीत हासिल होगी और काम की योजनाएं भी सफल रहेंगी। कोई प्रॉपर्टी या पारिवारिक से जुड़ा रुका हुआ आपसी मामला भी हल होने से परिवार में सुकून रहेगा। संतान के व्यवहार और संगति का भी ध्यान रखें। कभी-कभी आपको मन में कुछ उदासी और बेचैनी महसूस होगी।

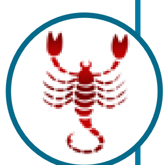

वृश्चिक राशि- निजी जीवन में सुख और चैन बढ़ेगा। अपने उसूलों और सिद्धांतों के साथ किसी भी कीमत पर समझौता न करना आपके मान-सम्मान में वृद्धि करेगा। मुसीबत में फंसे किसी दोस्त की मदद करने से मन में खुशी रहेगी। कोई भी महत्वपूर्ण फैसला टाल दें, आप किसी उलझन में बुरी तरह फंस जाएंगे। अपने बजट से ज्यादा खर्चा होना आपको तनाव दे सकता है।

धनु राशि- भावुकता के बजाय अपनी बुद्धि और चतुराई से काम निकालने की कोशिश करें। इससे आप बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे। विद्यार्थियों को मनचाहा परिणाम मिलने से खुशी का भाव रहेगा। कलात्मक गतिविधियों और कामों में भी व्यस्तता रहेगी। घर में बदलाव से जुड़ी कुछ प्लानिंग चल रही है, तो जल्दबाजी न करें।

मकर राशि- ग्रह-नक्षत्र अच्छे बने हुए हैं। अपने काम सोच-समझकर और शांतिपूर्ण तरीके से पूरे करने से जरूर कामयाबी मिलेगी। सकारात्मक सोच वाले लोगों से मेलजोल रखना आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाएगा। किसी भी समस्या को आपसी सहमति से हल करने की कोशिश करें। कुछ समस्याएं बनी रहेंगी, जिससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन रह सकता है।

कुंभ राशि- मेहनत के अनुसार सही परिणाम मिलेंगे। पिछले कुछ समय से चल रही रुकावटों का भी समाधान मिलेगा। विदेश जाने के लिए कोशिश कर रहे लोगों के लिए अच्छी ग्रह-स्थिति बनी हुई है, जल्दी ही कोई खुशखबरी मिल सकती है। कोई भी फैसला तुरंत लें और उस पर काम करें, क्योंकि ज्यादा सोच-विचार करने से कई उपलब्धियां हाथ से निकल सकती हैं।

मीन राशि- किसी नजदीकी रिश्तेदार के यहां जाने का मौका मिलेगा और महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत होगी और भविष्य से जुड़ी भी योजनाएं बनेंगी। कोई रुका हुआ काम भी पूरा करने के लिए आज का समय बहुत ही अच्छा है। दूसरों की बातों पर विश्वास करने के बजाय पहले परिस्थितियों को अच्छी तरह सोच-समझ लें।

'जॉली एलएलबी 3' फिल्म के असली हीरो बनें सौरभ शुक्ला, अक्षय और अरशद से भी जबरदस्त ऐक्टिंग

तमाम विवादों और कोर्ट से मिली राहत के बाद 'जॉली एलएलबी 3' आखिरकार सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। पहले और दूसरे पार्ट ने दर्शकों के बीच जिस कमाल का फैन बेस तैयार किया था, उसी की वजह से इस बार भी ऑडियंस थिएटर में उसी हास्य, व्यंग्य और मनोरंजन की धमाकेदार खुराक की उम्मीद लेकर पहुंचने वाली है। और कहना पड़ेगा कि कुछ एक खामियों के बावजूद यह फिल्म उन्हें हंसाती-गुदगुदाती ऐसी कॉमेडी राइड देती है, जो सिनेमा हॉल से बाहर निकलने के बाद भी चेहरे पर मुस्कान बनाए रखती है। हां, फर्क बस इतना है कि इस बार कोर्टरूम ड्रामा का मुद्दा न्याय व्यवस्था की खामियों से हटकर देश के उस वर्ग पर केंद्रित है, जिसे हम गर्व से अन्नदाता यानी किसान के रूप में जानते हैं।

'जॉली एलएलबी 3' की कहानी

इस तीसरे पार्ट में कहानी पिछली दो किस्तों की परंपरा को आगे बढ़ाती है। अब जगदीश्वर मिश्रा उर्फ जॉली (अक्षय कुमार) कानपुर से निकलकर दिल्ली की अदालत में अपनी प्रैक्टिस कर रहे हैं, वहीं जगदीश त्यागी उर्फ जॉली (अरशद वारसी) भी मेरठ की गलियों से आगे बढ़कर राजधानी की कोर्ट में हाथ-पैर मार रहे हैं। दोनों के बीच केस हथियाने की होड़ इस कदर बढ़ती है कि टकराव और मारपीट की नौबत तक आ जाती है।

इसी बीच, राजस्थान के परसौल गांव का एक किसान और कवि अपनी पुश्तैनी जमीन जाने-माने उद्योगपति हरीभाई खेतान (गजराज राव) की महत्वाकांक्षी परियोजना में खोकर मजबूरी में आत्महत्या कर लेता है। उसकी विधवा, जानकी राजाराम सोलंकी (सीमा बिस्वास), दिल्ली की अदालत का दरवाजा खटखटाती है। यही केस दोनों जॉली के बीच आमने-सामने की कानूनी लड़ाई का मैदान बन जाता है।

यह मामला पहुंचता है जस्टिस सुंदरलाल त्रिपाठी (सौरभ शुक्ला) की अदालत में, जहां से शुरू होती है किसानों और इंडस्ट्रियलिस्ट की ऐसी टक्कर, जो सिर्फ कोर्टरूम तक सीमित नहीं रहती, बल्कि किसानों की जिंदगियों पर सीधा असर डालती है।

'जॉली एलएलबी 3' मूवी रिव्यू

निर्देशक सुभाष कपूर 'जॉली एलएलबी' सीरीज के मूल स्वर को बरकरार रखते हैं। हां, फिल्म का पहला हिस्सा थोड़ा धीमा है खासकर शुरुआती 15-20 मिनट, जिनमें प्रिमाइज को स्थापित करने में समय लगता है। लेकिन जैसे ही दूसरा भाग शुरू होता है, फिल्म रफ्तार पकड़ लेती है। इस बार चूंकि किसानों की जमीन हड़पने और उनकी आत्महत्या जैसे गंभीर मुद्दे को केंद्र में रखा गया है, इसलिए कई दृश्य गम्भीर हो जाते हैं। मगर निर्देशक हर बार उस गंभीरता को कॉमेडी के तड़के से हल्का कर देते हैं।

बेशक, कोर्टरूम ड्रामा में कुछ दृश्य ओवर-द-टॉप लगते हैं- जैसे जिला मजिस्ट्रेट का अस्पताल के बिस्तर पर गवाही देने आना या रेसिंग कारों के बीच ऊंटों का दौड़ना। लेकिन इन सबके लिए फिल्म की शुरुआत में डिस्क्लेमर दिया गया है कि मनोरंजन को सशक्त बनाने के लिए सिनेमैटिक लिबर्टी ली गई है। सुभाष कपूर इस बार न्याय व्यवस्था पर कटाक्ष करने की बजाय किसानों के हक की कहानी कहने पर जोर देते हैं और एक ठोस संदेश सामने रखते हैं: 'मेरी जमीन, मेरी मर्जी।' यह संदेश साफ तौर पर इंगित करता है कि विकास के नाम पर किसानों से उनकी जमीन छीनना उचित नहीं है।

फिल्म का क्लाइमैक्स नाटकीय जरूर है, लेकिन दर्शकों को पूरी तरह बांधकर रखता है। गीत-संगीत कुछ जगहों पर कहानी की गति से ध्यान भटकाते हैं, लेकिन कुल मिलाकर फिल्म मनोरंजन का भरपूर पैकेज देती है।

परफॉर्मेंस की बात करें तो अक्षय कुमार अपनी कॉमिक टाइमिंग और नटखट अंदाज से बाजी मार ले जाते हैं। उनके साथी कलाकारों से उनकी चुहलबाजी और ठिठोली दर्शकों को खूब गुदगुदाती है। वहीं, अरशद वारसी 'जॉली नंबर वन' के रूप में जंचते हैं और दोनों जॉली की टक्कर पूरी फिल्म का मजा दोगुना कर देती है।

जज सुंदर लाल त्रिपाठी बने सौरभ शुक्ला फिल्म की रीढ़ की हड्डी साबित होते हैं। उनका चंचल चौटाला (शिल्पा शुक्ला) के साथ रोमांटिक ट्रैक उनके किरदार को मजेदार आयाम देता है। गजराज राव खलनायक की भूमिका में असरदार हैं, जबकि राम कपूर अपने अलग स्वैग के साथ स्क्रीन पर आते ही छा जाते हैं।

सीमा बिस्वास कम डायलॉग्स के बावजूद अपनी आंखों और सशक्त अभिनय से गहरी छाप छोड़ती हैं। कोर्टरूम में उनका रुदन दिल को छू जाता है। हुमा कुरैशी और अमृता राव भले ही छोटे किरदारों में हैं, लेकिन प्रभावशाली हैं। सहयोगी कास्ट अपना काम ईमानदारी से निभाती है।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

Silkyara™

A2 Protein

Ancient Bellona Method

Beneficial for Health

Hamari Pahad Ki Matao Dwara Pyar se Banaya Gaya

BADRI COW GHEE

fssai

22623030001586

Available on

Kumar Sweets

- Sahastradhara Road, Near Crossing
- Dharampur Near LIC Building

Dehradun